CAREER & EDUCATION

अमर उजाला उड़ान

वर्ष 08 | अंक 17 | बुधवार | 22 अप्रैल 2020 | ₹1

मोबाइल गेम नये जमाने का करियर

PAGE 06

एग्जाम मंत्रा

आजकल बिजनेस संभालने के लिए मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की मांग तेजी से बढ़ रही है...



PAGE 10



रास्ते और भी

चिकित्सा के क्षेत्र में नई प्रगति ने युवाओं के लिए अनेक अवसर पैदा किए हैं...

कामयाबी की आसान राह



कुछ लोग केवल सफल होने के सपने देखते हैं, जबकि अन्य लोग जागते हैं, और इसके लिए कड़ी मेहनत करते हैं।

-नेपोलियन हिल

अंग्रेजी में एक कहावत है 'होप फॉर दि बेस्ट एंड प्रिपेयर फॉर दि वर्स्ट' यानी हमेशा कल्पना अच्छी करो पर बुरी से बुरी स्थिति के लिए भी तैयार रहो। दरअसल, असफलता का डर 90 प्रतिशत लोगों में होता है। आज शिक्षा का क्षेत्र ज्यादा व्यापक, चुनौतीपूर्ण और मेहनतकश हो गया है। इसलिए विद्यार्थियों में असफलता का भय भी बढ़ गया है। लेकिन इस वजह से पढ़ाई छोड़ी नहीं जा सकती और न ही उसमें टालमटोल किया जा सकता है। अत: सफलता पाने के लिए कुछ बिंदुओं पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

जरूरी है नियमितता

एक सफल विद्यार्थी का सबसे जरूरी गुण है उसका प्रतिदिन का पढ़ाई का समय नियमित हो। जब एग्जाम का समय हो, तो पढ़ाई को ज्यादा समय दें। यदि आप साल भर ऐसा कर सके, तो रिजल्ट भी अच्छा ही आएगा।

शिक्षकों की राय लेते रहें

यदि कुछ समस्या है, तो अपने शिक्षकों से सहायता लेते रहें। 'फिर कर लेंगे' या किसी पर आश्रित होने की आदत न डालें। हाथों- हाथ निराकरण करने से आगे पढ़ने में आसानी होती है।

मेहनत पर भरोसा रखें और दृढ़ रहें

यदि हम बड़े और महान लोगों को पलट कर देखें तो पता चलता है कि विपरीत परिस्थिति में भी उनमें कुछ कर पाने की तमन्ना इतनी मजबूत थी कि विजय हासिल होकर रही।

टाइम-टेबल को प्रमुखता दें

अपने बनाए टाइम-टेबल को सबसे ज्यादा अहमियत दें। फिर चाहें उस वक्त आपके दोस्त गपशप के लिए आ गए हों या फिर मोबाइल फोन आपको अपनी तरफ खींच रहा हो। अपने प्रति कठोरता रखना भी कभी- कभी जरूरी हो जाता है। यह कामयाबी की शर्त भी है।



नियम-कायदों से वाकिफ रहें

जिस भी एग्जाम की आप तैयारी कर रहे हों, उसके पैटर्न और पूछे जाने वाले सवालों की प्रकृति की पूरी जानकारी रखें। जवाब लिखते समय प्रबंधन का खास ध्यान रखें। ये सुनने में छोटी बाते हैं, मगर इनकी पहले से जानकारी न हो, तो कई बार मुसीबतें भी आ सकती हैं।

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

अमर उजाला
समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325

RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com

नई सोच

अवकाश का अर्थ ये कभी नहीं है कि हम सिर्फ अपने स्वार्थ के लिए एक बचपन को नष्ट करने पर आमादा हो जाएं। बचपन जीवन का सबसे अनमोल पल है जिसे जीना जरूरी है...

लॉकडाउन: बच्चों का सिमटता संसार



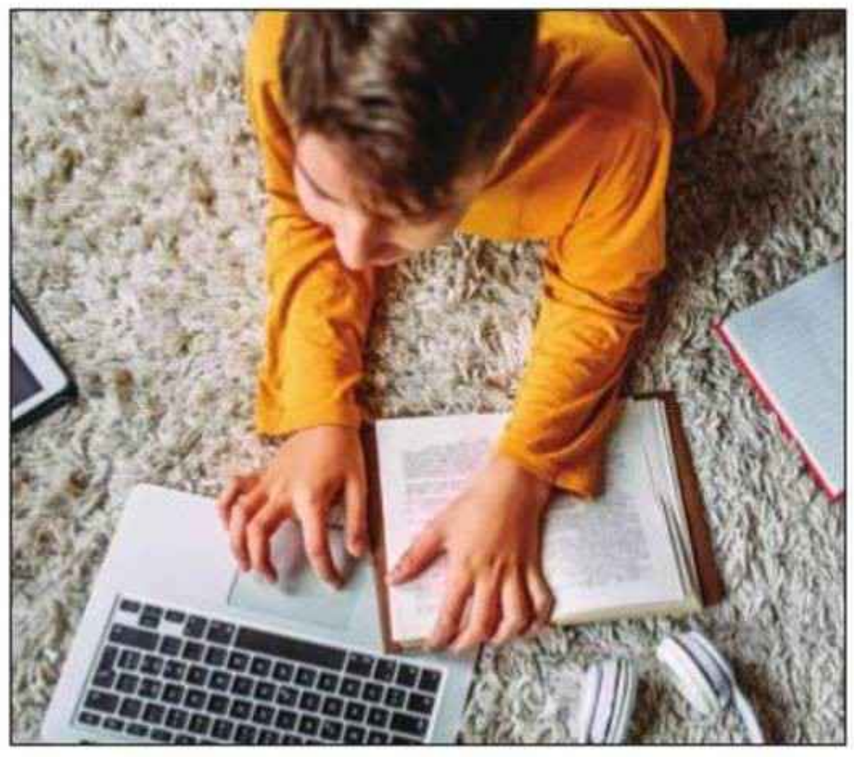

आज वैश्विक महामारी कोरोना पर विजय पाने का एक ही मूल मंत्र है-सामाजिक दूरी। इसी दिशा में मल्टीनेशनल कंपनियों ने जहां कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की छूट दी है, तो स्कूल/कॉलेज बंद होने से बच्चे घर में कैद हो गये हैं। दूसरे शब्दों में ये कहें की पहले जहां रोजी रोटी की तलाश में सुबह से शाम तक सब भागने में मगन थे और घर सिर्फ नौकरों के हवाले था, छोटे बच्चे केयर टेकर के हवाले थे वहीं इस बीमारी ने एकल परिवार को एक सूत्र में बांध दिया है। भौतिकता के इस युग में अब पारिवारिक सुरक्षा को लोग समझ रहे हैं।

इन सब बातों में जो सबसे बुरी चीज आज देखने को मिल रही है वह है बच्चों का सिमटता संसार। आज पूरा परिवार जब एक छत के नीचे है तो इसमें पति- पत्नी के कटु संबंधों को भी उजागर कर दिया है जिसका दुष्प्रभाव भी बच्चों के ऊपर पड़ रहा है। चीन जो महामारी का केंद्र था, में लॉकडाउन में तलाक की दर बढ़ गयी क्योंकि सब एक दूसरे पर हावी होने की होड़ में सामाजिक मर्यादा ही भूल गये। मानव जीवन आज कंप्यूटर, मोबाइल और टीवी का गुलाम बन गया है। इस चर्चा को आगे बढ़ाने के पहले मैं एक कहानी पर चर्चा करना चाहूंगा। कुछ साल पहले किसी व्यक्ति ने अपने कक्षा 6 में पढ़ने वाले पुत्र के लिए एक करियर कोच से आईआईटी कोचिंग के बारे में सलाह मांगी, तो करियर कोच भी परेशान हो गया और बोला – सर आपने निर्णय लेने में काफी देरी कर दी, आपको इसके जन्म के समय से ही कोचिंग का निर्णय ले लेना चाहिए था। कहने का आशय यही है कि हम अनावश्यक रूप से बच्चों पर एक दबाव बना रहे हैं। यह दवाब सामाजिक स्पर्धा में आगे निकलने के लिए है। पर जब लोग कोरोना के चक्कर में घरों में रहने के लिए मजबूर हैं , पार्क, जिम, या खेलने का मैदान सब बंद है, तो अब माता-पिता अपने बच्चों को इस छुट्टी का सदुपयोग पढ़ाई के रूप में करवाना चाहते हैं। अधिक से अधिक घर पर पढ़ना , स्कूल द्वारा ऑनलाइन क्लास भी चलाई जा रही हैं, तो स्कूल की पढ़ाई, घर का काम , और साथ में एक्स्ट्रा पढ़ाई ताकि बच्चा पढ़ाई को और ज्यादा समर्पित हो सके। हालात पर तब और अधिक चिंता होती है जब नर्सरी में पढ़ने वाले बच्चों को भी एक्टिविटी के नाम पर ऑनलाइन क्लासेज करने पड़ रहे हैं। सीबीएसई में शिक्षक प्रशिक्षक श्रीमिति इशिता मुखर्जी ने एक चौकाने वाला वाकया सुनाया जहां एक नर्सरी के छात्र को एक्टिविटी के नाम पर आटा को क्ले के रूप में उपयोग करने और हल्दी, व विभिन्न रंगों की मदद से आकृति बनाना सिखाया जा रहा था। अब सवाल ये है क्या शिक्षा देने के नाम पर हम एक बच्चे से उसका बचपन तो नही छीन रहे? दो-तीन दशक पहले तक तो लोग पांच साल की उम्र तक घर में रहते और खेलते-कूदते थे और ऐसा नहीं कि वे जीवन में कुछ नहीं करते थे पर आज शिक्षा देने की होड़ और वह भी सिर्फ किताबी ज्ञान का कम उम्र के बच्चों के ऊपर हम गैर-जरूरी दबाव बना रहे हैं, जो उनके दिमागी विकास के लिए घातक है। क्यों ना हम इस छुट्टी का प्रयोग पारिवारिक समरसता बनाने में करें। ऐसे कई खेल हैं, जो हम अपने समय में खेलते थे क्यों ना बच्चों के साथ बच्चा बनकर वो खेल खेले जहां हम भी अपने बचपन को जी सकें। उन्हें धार्मिक शिक्षा, कहानी सुनाकर एक शिक्षाप्रद जानकारी खेल खेल में दें। लूडो, कैरम, चेस, लुका- छिपी जैसे खेल घर में खेलें , पंचतंत्र, अकबर – बीरबल, तेनालीराम की कहानी, गणितीय पहेली से दिमागी कसरत कराएं और उसके मानसिक विकास में योगदान दें। बड़े बच्चे जो कक्षा छह से अधिक कक्षा में पढ़ते हैं उन्हें श्रम का महत्व समझाते हुए अपने कपड़े धोना, फूलों में पानी देना या घरेलू काम में मदद देना सीखा सकते हैं, जिससे कल को अगर वो हॉस्टल जाएं तो अपने काम को करने में किसी हिचकिचाहट का सामना न करना पड़ें।

अवकाश का अर्थ ये कभी नहीं है कि हम सिर्फ अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए एक बचपन को नष्ट करने पर आमादा हो जाएं। बचपन जीवन का सबसे अनमोल पल है जिसे जीना जरूरी है। हम इस समय का प्रयोग उसे एक कर्मठ इंसान बनाने में लगायें जहां वो मानवीय संवेदना को महत्व दे सके। आज सड़क पर घायल व्यक्ति दम तोड़ देता है और कोई उसे अस्पताल नहीं पहुंचाता क्योंकि हम मानवीय मूल्यों की शिक्षा देना ही भूल गये। क्यों ना हम अपने बच्चों को स्काइप या अन्य उपकरणों के मदद से दोस्तों से मिलाएं, दोस्तों के मां- बाप के साथ जुड़कर एक सामाजिक समरसता का पाठ पढ़ायें। आस- पास के गरीब मजदूरों, जिनकी रोजी-रोटी इस महामारी ने छीन ली है, उनको जरूरत का सामान देकर सहयोग की भावना जगाने में करें।

-डॉ राजेश कुमार ठाकुर

मोबाइल गेम

में करियर के चमकीले

जिस तेजी से मोबाइल गेम की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है, उसी तेजी से मोबाइल गेमिंग उद्योग भी फल-फूल रहा है और इस क्षेत्र में रोजगार के तमाम अवसर पैदा हो रहे हैं...



डॉ. जयंतीलाल भंडारी
लेखक व करियर मार्गदर्शक

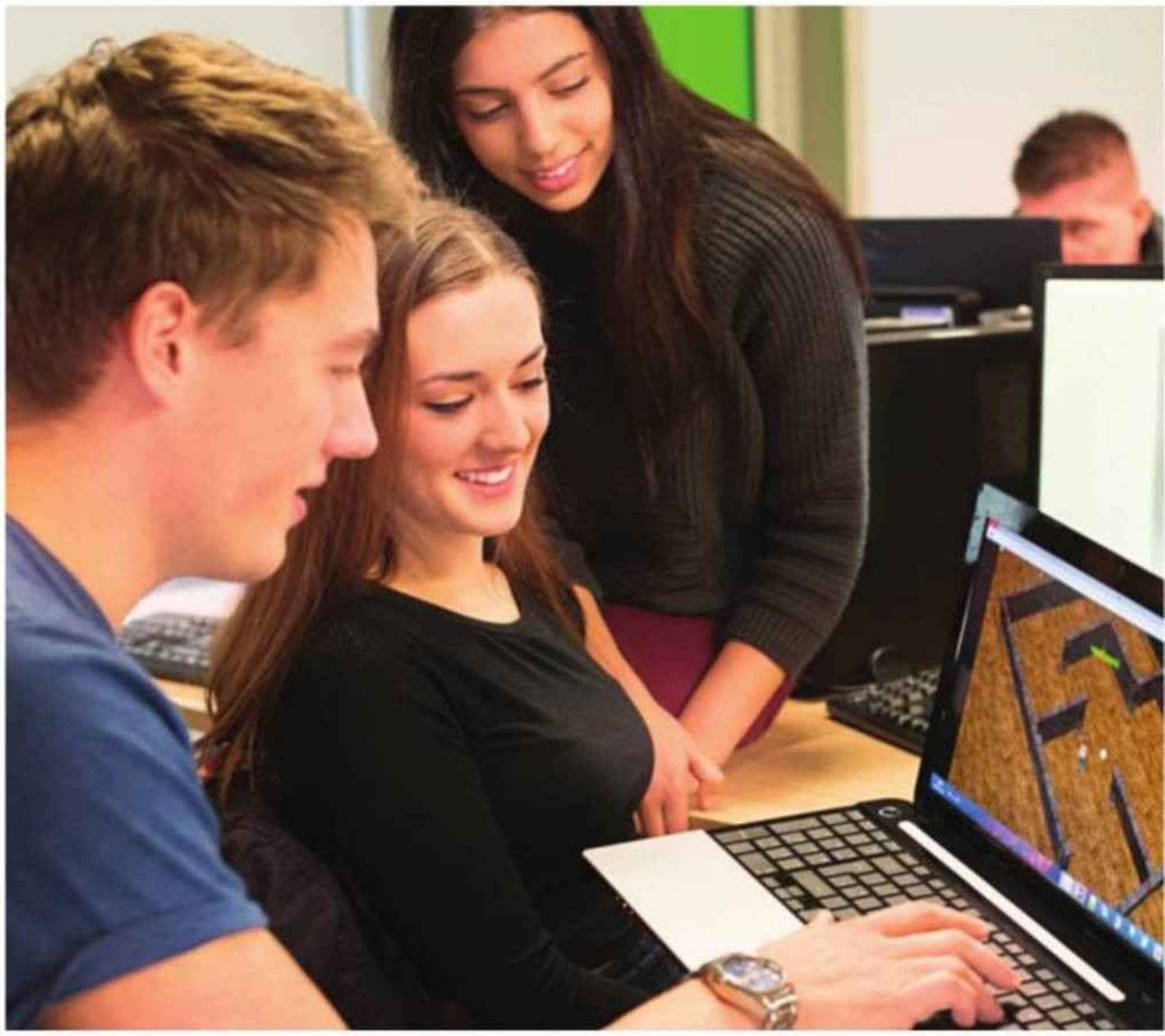

खेल के नाम से अब मैदानी भाग-दौड़ ही मस्तिष्क में नहीं आती, मोबाइल, कम्प्यूटर तथा टेबलेट ने उसे घर बैठे दिमागी भाग-दौड़ का खेल बना दिया है। शहरी परिवेश में पले-बढ़े बच्चे आज गुल्ली-डंडा, कबड्डी, खो-खो जैसे खेलों से वाफिक हों या न हों, लेकिन पब्जी, पॉकेमॉन गो, एसफाल्ट, टेम्पल रन जैसे मोबाइल गेमों से वे भली भांति परिचित होते हैं। वीडियो गेम्स को सामान्यतः पर चार भागों में बांटा जाता है। एक्स बॉक्स गेम्स, कम्प्यूटर गेम्स, मोबाइल गेम्स तथा थिएटर गेम्स। एक्स बॉक्स गेम्स में एक मशीन को तार द्वारा टीवी स्क्रीन से जोड़ा जाता है। कम्प्यूटर गेम्स को कम्प्यूटर पर सीडी या इंटरनेट की मदद से लोड किया जाता है। मोबाइल गेम्स का फार्मेट कम्प्यूटर गेम्स से मिलता-जुलता ही होता है, लेकिन सेट छोटा हो जाता है। थिएटर गेम्स बड़े-बड़े एम्यूजमेंट पार्क, मल्टीप्लेक्स तथा मॉल्स में लगाए जाते हैं।

मोबाइल गेम की बढ़ती लोकप्रियता

जिस तेजी से मोबाइल गेम की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है, उसी तेजी से मोबाइल गेमिंग उद्योग भी फल-फूल रहा है। नए-नए मोबाइल गेमों के लिए नई-नई तकनीकें भी आविष्कार की जा रही हैं। जिन कहानियों को बच्चे कभी अपनी दादी-नानी से सुना करते थे, उन्हीं कहानियों को अब मोबाइल गेम्स के जरिए बच्चों के लिए जीवंत कर दिया गया है। मोबाइल गेमिंग के जरिए बच्चे सुपर हीरो के साथ-साथ अपने हाथ-पैर चला सकते हैं। दुश्मनों से दो-दो हाथ कर सकते हैं। यही कारण है कि मोबाइल गेम्स में बच्चों की रूचि लगातार बढ़ती जा रही है और इसी के साथ नए-नए गेम्स की मांग भी बढ़ती जा रही है।

जटिल है मोबाइल गेम का निर्माण करना

मोबाइल गेम के निर्माण की प्रक्रिया बहुत जटिल होती है। मोबाइल गेमों का निर्माण मल्टीमीडिया, ग्राफिक्स सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग के प्रयोग द्वारा किया जाता है। एक बड़े मोबाइल गेम का निर्माण करने में कई अनुभवी एवं दक्ष लोगों की टीम को महीनों का समय लग सकता है। आजकल मोबाइल

डिजाइनिंग

अवसर



गेम्स को अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाने लगा है।

मोबाइल गेम निर्माण की प्रक्रिया

सबसे पहले मोबाइल गेम्स की स्क्रिप्ट में लिखित रूप में यह तय कर लिया जाता है कि गेम में कौन कौन-से पात्र डाले जाएं तथा कैसे दृश्य निर्मित किए जाएं। इसके बाद स्टोरी बोर्ड तैयार किया जाता है, जिसमें सभी संभावित दृश्यों के फ्रेम तैयार किए जाते हैं। इसके बाद एडोब फोटोशॉप सॉफ्टवेयर में 2-डी तथा फोटोमैक्स सॉफ्टवेयर में 3-डी एनिमेटेड चित्र बनाए जाते हैं। इन चित्रों में एक्सएसआई जैसे सॉफ्टवेयर की मदद से गति उत्पन्न की जाती है। इसके बाद गेमिंग इंजन की मदद से एनिमेटेड इमेज को नियंत्रित किया जाता है। गेम इंजन में लिखे कमांड से ही स्क्रीन के किसी हिस्से को टच करने से गोली चलती है या एनीमेटेड इमेज आगे-पीछे, ऊपर-नीचे बढ़ती है। गौरतलब है कि मोबाइल गेम बनाने की प्रक्रिया वैज्ञानिक ज्ञान, कलात्मक एवं रचनात्मक क्षमता का अनोखा मिश्रण है। यह काफी वक्त लेने वाला काम है, इसलिए मोबाइल गेम के निर्माण में कलात्मक प्रतिभा, दिमागी कौशल ही नहीं बल्कि धैर्य का होना भी बहुत आवश्यक है।

करियर बनाने के लिए जरूरी गुण

मोबाइल गेम डिजाइनिंग में करियर बनाने हेतु रचनात्मक अभिरुचि के अलावा मोबाइल गेम खेलने का शौक भी होना चाहिए। चूंकि गेमिंग मोबाइल एनिमेशन क्षेत्र की ही एक नई शाखा है इसलिए पहले एनिमेशन के एक्सपर्ट ही गेम डेवलपमेंट का कार्य किया करते थे लेकिन गेमिंग बाजार की बढ़ती मांग और नए गेमिंग सॉफ्टवेयर के विकास ने गेमिंग को एक नए अध्ययन क्षेत्र के रूप में विकसित कर दिया है।

भारत की स्थिति एवं संबंधित कोर्स

गेमिंग के क्षेत्र में सबसे ज्यादा काम कनाडा में होता है। अब भारत में भी इसका दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। भारत में गेमिंग में डिप्लोमा या एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम कराया जाता है।

मोबाइल गेम डिजाइनिंग सिखाने वाले संस्थान एनीमेशन तथा मल्टीमीडिया के कोर्स के दौरान ही गेमिंग की जानकारी देते हैं। इन सभी कोर्सों की अवधि एक से दो वर्ष होती है। कोर्स के दौरान ड्राइंग, डिजाइनिंग, प्रोडक्शन, प्रोग्रामिंग, लाइटिंग के साथ-साथ एनीमेशन व डिजीटल आटर्स सिखाया जाता है। गेम डेवलपमेंट में लाइफ ड्राइंग तथा स्कल्पचर जैसी कलाओं को समझना भी जरूरी होता है।

गेमिंग के पाठ्यक्रम के दौरान सभी संस्थान छात्रों को प्रोजेक्ट वर्क देते हैं, जिसके तहत उन्हें एक छोटा गेम तैयार करना होता है। कोर्स में छात्रों को यूं तो गेम डेवलपमेंट की पूरी जानकारी दी जाती है लेकिन कोर्स के दौरान ही छात्र अपनी रुचि का क्षेत्र चुन लेते हैं और बाद में इसी क्षेत्र के विशेषज्ञ बनते हैं। वैसे भी आज बाजार में विशेषज्ञ की ही डिमांड है।

स्मार्ट फोन के प्रयोग के कारण भारत में गेमिंग उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। एक अनुमान के अनुसार भारत में आज करीब पचास हजार गेमिंग प्रोफेशनल्स की जरूरत है लेकिन मात्र दस से पंद्रह फीसदी प्रोफेशनल्स ही बाजार में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। गेमिंग मार्केट में गेम डेवलपर, गेम प्रोग्रामर, गेम आथर, एनिमेटर, ग्राफिक डिजाइनर, स्कल्पचर, गेम लाइटिंग व साउंड एक्सपर्ट की जबर्दस्त मांग है। देश में अभी गेम डेवलपमेंट के क्षेत्र में इंडिया गेम्स, ध्रुव इंटरैक्टिव, पाराडौक्स, वी-बीइंग जैसी कुछ प्रमुख कंपनियां काम कर रही हैं। इसके अलावा सोनी, ईए जैसी मल्टीनेशनल कंपनियां भी भारत में अपनी दस्तक दे चुकी हैं। भविष्य में इन्हीं कम्पनियों में करियर की अपार संभावनाएं प्रोफेशनल्स तलाश सकते हैं। भारत में गेमिंग उद्योग के तेजी से पनपने की प्रमुख वजह गेम डेवलपमेंट पर अन्य देशों के मुकाबले कम पैसा खर्च होना है।

इस समय रोजगार के लिहाज से यह सेक्टर बेहतरीन विकल्प है। क्योंकि कई गेमिंग कंपनियां भारत में अपना सेटअप तैयार करवा रही हैं लेकिन अच्छे गेम डेवॅलपर्स की काफी कमी महसूस की जा रही है। इस क्षेत्र में जावा, C, C++, 2डी गेम डेवॅलपर्स, 3डी डेवॅलपमेंट के जानकारों के लिए असीम संभावनाएं मौजूद हैं। इस प्रकार इसके तहत कंप्यूटर गेम प्रोड्यूसर, गेम डिजाइनर, एनिमेटर, ऑडियो प्रोग्रामर, ग्राफिक प्रोग्रामर इत्यादि ऐसे पद हैं जिनके लिए कुशलता और तकनीकी ज्ञान की दरकार होती है। इस क्षेत्र में भविष्य सुनिश्चित हो जाने के पश्चात सैलरी को लेकर सोचने की आवश्यकता नहीं होती है।

प्रमुख संस्थान

- फारच्यून इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
- महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, केरल
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन पाल्दी, अहमदाबाद
- सेंटर फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी ऑफ इंडिया, चंडीगढ़
- भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पुणे
- जी इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव आर्ट, मुंबई

नोट:इन संस्थानों के अलावा भी देश के कई संस्थानों में यह कोर्स उपलब्ध हैं।

आजकल छोटी-बड़ी सभी कंपनियों को अपना बिजनेस संभालने के लिए मैनेजमेंट के प्रशिक्षित प्रोफेशनल्स की जरूरत पड़ती है...

मैनेजमेंट में हैं जॉब के बड़े मौके



पिछले कई वर्षों से मैनेजमेंट की पढ़ाई युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हुई है। यहां तक कि तकनीकी कोर्स कर चुके युवा भी मैनेजमेंट के गुर सीखने को काफी तरजीह दे रहे हैं। ऐसा इसलिए कि आज सभी छोटी-बड़ी कंपनियों को अपना बिजनेस संभालने के लिए ऐसे ही मैनेजमेंट के प्रशिक्षित प्रोफेशनल्स की जरूरत है। आप भी मैनेजमेंट का यह कोर्स 12वीं और ग्रेजुएशन के बाद कर सकते हैं।

बीबीए: बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एक अंडरग्रेजुएट डिग्री कोर्स है। यह कोर्स छात्रों को विभिन्न मैनेजमेंट सिद्धांतों में एक्सपर्ट बनाती है। कोर्स करने के बाद छात्र मार्केटिंग, अकाउंटिंग, फाइनेंस और इंटरनेशनल बिजनेस समेत विभिन्न क्षेत्र में जॉब पा सकते हैं। बीबीए में प्रवेश के लिए स्टूडेंट को किसी भी स्ट्रीम में 12वीं पास होना जरूरी होता है। लेकिन कुछ संस्थान 50 से 60 प्रतिशत अंक की भी मांग करते हैं। देश के कई संस्थानों में अभी यह कोर्स चल रहा है, जहां प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला दिया जाता है।

बीबीएस (बैचलर ऑफ बिजनेस स्टडीज): यह भी एक अंडरग्रेजुएट डिग्री कोर्स है। यह कोर्स करने के बाद स्टूडेंट अपने लिए किसी भी कॉर्पोरेट सेक्टर की कंपनी में प्रबंधकीय लेवल की नौकरी तलाश सकते हैं। अंग्रेजी विषय तथा 60 प्रतिशत अंकों के साथ किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास स्टूडेंट इस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी समेत देश के कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में यह कोर्स संचालित हो रहा है।

बीएमएस (बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज): बीबीए की तरह ही यह भी एक अंडरग्रेजुएट मैनेजमेंट कोर्स है। यह तीन साल की अवधि का कोर्स है। दिल्ली यूनिवर्सिटी समेत देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में यह कोर्स संचालित हो रहा है, जिसमें किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास स्टूडेंट दाखिला ले सकते हैं। डीयू में इस कोर्स में दाखिले के लिए 12वीं में गणित और अंग्रेजी विषय होना अनिवार्य है। इस कोर्स में भी आमतौर पर प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही दाखिला दिया जाता है।

बीबीई (बैचलर ऑफ बिजनेस इकोनॉमिक्स): इस अंडरग्रेजुएट मैनेजमेंट कोर्स में भी 60 प्रतिशत अंकों से किसी भी स्ट्रीम में 12वीं पास स्टूडेंट प्रवेश ले सकते हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी समेत देश के विभिन्न कॉलेजों में यह कोर्स संचालित हो रहा है, जहां प्रवेश परीक्षा के आधार पर छात्रों को कोर्स में प्रवेश दिया जाता है।

बीएफआइए (बैचलर ऑफ फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट ऐंड एनालिसिस): 12वीं के बाद आप यह स्नातकस्तरीय प्रोफेशनल कोर्स भी कर सकते हैं। बीएमएस, बीबीई की तरह बीएफआइए में भी दाखिला प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है। दिल्ली यूनिवर्सिटी समेत कई कॉलेजों में यह कोर्स ऑफर हो रहा है।

एमबीए (फुलटाइम): एमबीए यानी मैनेजमेंट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन को सीधे शब्दों में कहा जाए, तो यह किसी भी तरह के कारोबार को चलाने के गुर सिखाने वाला प्रोग्राम है। यह दो साल का फुलटाइम कोर्स है, जिसमें स्टूडेंट्स को मैनेजमेंट के सभी विषयों में निपुण बनाए जाने के साथ ही किसी एक सब्जेक्ट का एक्सपर्ट बनाया जाता है। एमबीए रेगुलर कोर्स में प्रवेश के लिए आर्ट्स, कॉमर्स या विज्ञान विषयों में कम से कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ ग्रेजुएशन होना जरूरी है। इसके साथ इस मैनेजमेंट प्रोग्राम में दाखिला पाने के लिए जरूरी कैट, मैट, सीमैट, स्नैप या जेमैट जैसी प्रवेश परीक्षाओं को पास करना भी जरूरी होता है। क्योंकि IIM समेत अन्य बिजनेस संस्थानों में प्रवेश इन्हीं परीक्षाओं के स्कोर के आधार पर दिया जाता है।

एमबीए (एग्जीक्यूटिव): एमबीए (एग्जीक्यूटिव) को हम कार्यकारी एमबीए के नाम से भी जानते हैं। यह एक स्नातकोत्तर स्तर का डिग्री कोर्स है, जो मुख्य रूप से वर्किंग प्रोफेशनल्स यानी अधिकारियों, प्रबंधकों, उद्यमियों और अन्य व्यापार जगत से जुड़े लोगों को शिक्षित करने के लिए बनाया गया है। इस पाठ्यक्रम को करने के लिए न्यूनतम पात्रता यह है कि उम्मीदवार को स्नातक होने के साथ ही काम का अनुभव भी होना चाहिए।

प्रमुख कोर्स

- इंडियन बिजनेस स्कूल, हैदराबाद, www.isb.edu
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, www.ignou.ac.in
- गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, दिल्ली, www.gangainstitute.com
- सिम्बॉयोसिस, पुणे (www. sims.edu)

इस क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की कोई कमी नहीं है। आज के समय में जिस तरह से स्वास्थ्य क्षेत्र पर सरकारों का ध्यान बढ़ रहा है उसे देखते हुए इसमें असीम संभावनाएं पैदा हुई हैं। बायोमेडिकल इंजीनियर, रिसर्चर आदि के तौर पर हेल्थकेयर कंपनियों में रोजगार मिल सकते हैं...



इंजीनियरिंग की नई शाखा बायोइंजीनियरिंग

गौरतलब है कि चिकित्सा क्षेत्र में तेजी से मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन मशीनों की आवश्यकता इसी बात से पता चलती है कि यह मशीनें व नए-नए उपकरण मरीजों के इलाज से लेकर शोध कार्यों को संपन्न करने में सहायक होती है। ऐसे में कठिन परिस्थितियों को संभालने में न सिर्फ विशेषज्ञों को आसानी होती है, बल्कि समय की बचत भी होती है। हालांकि, इन उपकरणों को संचालित करने से पहले उनकी अच्छी तरह से जांच करना, मानव शरीर के क्रियाकलापों और इन उपकरणों का प्रभाव समझना आसान काम नहीं है। ऐसे में इंजीनियरिंग की एक अलग शाखा, इन चीजों पर ध्यान केंद्रित करती है। इस शाखा को ही 'बायोमेडिकल इंजीनियरिंग' (बीएमई) कहते हैं। इससे संबंधित कार्यों को अंजाम देने वाले प्रोफेशनल्स को ही बायोमेडिकल इंजीनियर कहते हैं। बायोमेडिकल इंजीनियरिंग का क्षेत्र उन लोगों के लिए है, जो मेडिसिन एवं हेल्थकेयर में रुचि रखते हैं।

जानें क्या है बायोमेडिकल इंजीनियरिंग

तकनीकी भाषा में कहें, तो बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग की एक ऐसी शाखा है, जिसमें मेडिकल एप्लिकेशंस, विभिन्न इलाजों या डायग्नोस्टिक टेक्नोलॉजी के विकास और रिसर्च के लिए इंजीनियरिंग सिद्धातों की मदद ली जाती है। बायोमेडिकल इंजीनियर का कार्य मेडिकल संबंधी उपकरणों की देखभाल करना होता है।

कई शाखाओं में बना सकते हैं पहचान

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में कई सब-कैटेगरी होती हैं, जिनमें से किसी एक में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं। इनमें बायोइंस्ट्रूमेंटेशन, बायोमटीरियल्स, सेल्यूलर, टिशू एंड जेनेटिक इंजीनियरिंग, क्लीनिकल इंजीनियरिंग, मेडिकल इमेजिंग, ऑर्थोपेडिक बायोइंजीनियरिंग, रिहैबिलिटेशन इंजीनियरिंग आदि शामिल हैं।

कैसा होता है कार्य

बायोमेडिकल इंजीनियर को मेडिकल डिवाइस पर रिसर्च करने, टेस्टिंग और मूल्यांकन संबंधी कार्य करना होता है। अस्पतालों और मेडिकल सेंटर्स के लिए नए बायोमेडिकल सामानों की खरीदारी भी करनी पड़ती है। बायोमेडिकल इंजीनियर्स मेडिकल डिवाइसेज, स्पोर्ट्स मेडिसिन, स्टेम सेल रिसर्च, बायोमार्कर्स, जीनोमिक्स, नैनोटेक्नोलॉजी आदि क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करके कार्य कर सकते हैं। बायोमेडिकल इंजीनियरिंग संबंधी प्रोजेक्ट्स में कृत्रिम अंग और प्रोस्थेटिक लिंब्स, कंप्यूटर की सहायता से होने वाली मेडिकल संबंधी क्रियाएं और इलाज, सूचना विज्ञान और मेडिकल इमेजिंग शामिल होते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इससे संबंधित कोर्स करने के लिए छात्र को साइंस स्ट्रीम में 10+2 होना जरूरी है। बायोमेडिकल इंजीनियर्स को इंजीयरिंग, भौतिकी, रसायन या जीव विज्ञान में स्नातक की डिग्री चाहिए होती है। ज्यादातर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग संबंधी नौकरी के लिए बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री की आवश्यकता होती है। आजकल कुछ संस्थानों ने बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में स्नातक स्तर का बीटेक पाठ्यक्रम भी शुरू किया है। इसमें क्लिनिकल संबंधी कोर्स भी करना पड़ता है। मेडिकल क्षेत्र में रिसर्च करना चाहते हैं, तो बायोमेडिकल में एमफिल या पीएचडी कर सकते हैं।

रोजगार की संभावनाएं

इस क्षेत्र में रोजगार की कोई कमी नहीं है। बायोमेडिकल इंजीनियर अस्पतालों, नर्सिंग होम्स, रिसर्च लैब्स, दवा बनाने वाली कंपनियों एवं हेल्थकेयर कंपनियों में रोजगार पा सकते हैं। विदेशों में भी बायोमेडिकल इंजीनियर्स की मांग की जाती है। इसके अलावा बायोमेडिकल इंजीनियर प्रोडक्ट टेस्टिंग, डिजाइनिंग, चिकित्सकीय उपकरणों के उपयोग व रखरखाव संबंधी कार्य आदि करते हैं।

प्रमुख कोर्स

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बॉम्बे www.iitb.ac.in
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली www.iitd.ac.in
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रुड़की www.iitr.ac.in
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा www.amity.edu
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली www.aiims.edu



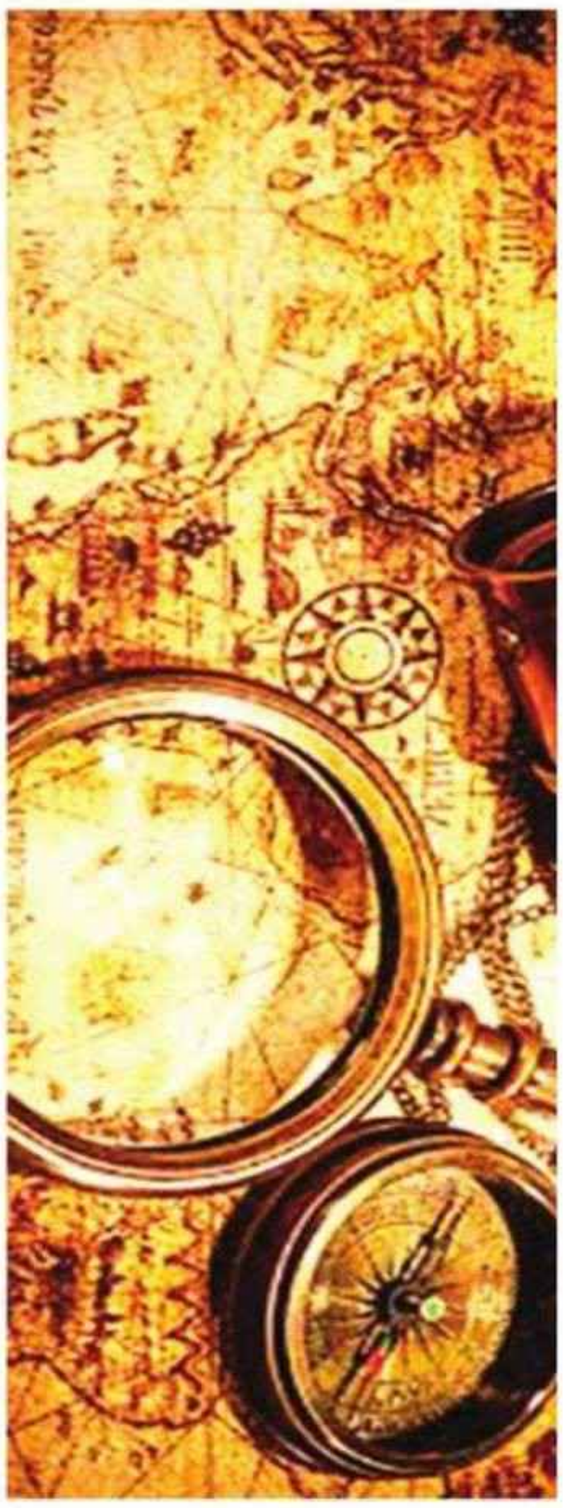

अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए...

1. प्लासी की लड़ाई अंग्रेजों और ..... के बीच लड़ी गई थी? (UPSSSC Exam 2019)

(a) सिराज उद्दौलाह
(b) हबीबुल्लाह खान
(c) उस्मान अली खान
(d) मीर मोहम्मद युसुफ खान

जवाब: (a) सिराज उद्दौलाह

व्याख्या: प्लासी का युद्ध 23 जून 1757 ई. में पश्चिम बंगाल राज्य के मुर्शिदाबाद क्षेत्र में हुआ था। इस युद्ध में अंग्रेजों और बंगाल के नवाब सिराज उद्दौलाह के बीच हुआ था। इस युद्ध में अंग्रेजों ने विजय हासिल की थी।

2. कंचनजंगा, विश्व में तीसरा सबसे बड़ा पर्वत.....के बीच सीमा पर स्थित है। (UPSSSC Exam 2019)

(a) भारत और भूटान
(b) भारत और चीन
(c) भारत और नेपाल
(d) भारत और तिब्बत

जवाब: (a) भारत और भूटान

व्याख्या: कंचनजंगा पर्वत विश्व का तीसरा सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है, जिसकी ऊंचाई 8598 मीटर है। यह पर्वत भारत के सिक्किम राज्य में उत्तर पश्चिम में अवस्थित है जिसकी सीमा नेपाल से लगती है। कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान भी इसी राज्य में अवस्थित है।

3. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243ब के अधीन गठित ग्रामीण क्षेत्रों के लिए स्व-सरकार की संस्था कौन-सी है? (UPSSSC Exam 2019)

(a) ग्राम सभा
(b) पंचायत
(c) ग्रामीण सभा
(d) ग्राम सेवा

जवाब: (b) पंचायत

व्याख्या: भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243 में नगरपालिका के गठन, संरचना, शक्तियां, प्राधिकार एवं उत्तरदायित्व से संबंधित प्रावधान किया गया है। अनुच्छेद 243 अ में ग्राम सभा के गठन का वर्णन है। अनुच्छेद 243 ब के अंतर्गत गठित किए ग्रामीण क्षेत्रों के लिए स्व-सरकार की संस्था पंचायत होती है।

4. परक्राम्य लिखत अधिनियम..... से संबंधित कानून को परिभाषित और संशोधन करने के लिए अधिनियम है। (UPSSSC Exam 2019)

(a) विनिमय बिल, वचन पत्र, चेक
(b) लदान बिल, विनिमय बिल, वचन पत्र
(c) वचन पत्र, हुंडी, चेक
(d) वचन पत्र, लदान बिल, हुंडी

जवाब: (a) विनिमय बिल, वचन पत्र, चेक

व्याख्या: परक्राम्य लिखत अधिनियम विनिमय बिल, वचन पत्र, चेक से संबंधित कानून को परिभाषित और संशोधन करने के लिए अधिनियम है। इस अधिनियम की शुरुआत 9 दिसंबर 1881 ई. को हुई थी।

5. दिसंबर 2019 में राष्ट्रपति ने किस राज्य की पुलिस को कलर्स अवाड्र्स से सम्मानित किया था? (SSC CGL Exam 2019)

(a) तमिलनाडु (b) महाराष्ट्र
(c) गुजरात (d) केरल

जवाब: (c) गुजरात

व्याख्या: गुजरात राज्य की पुलिस को 15 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रपति कलर्स अवाड्र्स प्रदान किए गए। गुजरात पुलिस यह सम्मान प्राप्त करने वाला सातवां बल बन गया है। प्रेसिडेंट कलर्स को निशान भी कहा जाता है। अब, प्रतीक को गुजरात के सभी पुलिस अधिकारियों द्वारा उनकी वर्दी के बाएं हाथ की आस्तीन में पहना जाएगा। राष्ट्रपति के रंगों का प्रस्ताव गुजरात पुलिस के महानिदेशक (महानिदेशक) और पुलिस महानिरीक्षक (IGP) के कार्यालय द्वारा शुरू किया गया था।

6. 23वें राष्ट्रीय युवा समारोह का आयोजन लखनऊ में किस महान् हस्ती की जन्म शती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था? (SSC CGL Exam 2019)

(a) महात्मा गांधी
(b) स्वामी विवेकानंद
(c) जवाहरलाल नेहरू
(d) सरदार वल्लभ भाई पटेल

जवाब: (b) स्वामी विवेकानंद

व्याख्या: उत्तर प्रदेश सरकार ने 12 जनवरी को 23वें राष्ट्रीय युवा समारोह का आयोजन लखनऊ में किया। ऐसा पहली बार था जब

उत्तर प्रदेश में इस तरह के समारोह का आयोजन किया गया है।

7. किस प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान भारत के संविधान में नौवीं अनुसूची को पुर:स्थापित किया गया था? (UPSC Exam 2019)

(a) जवाहर लाल नेहरू
(b) लाल बहादुर शास्त्री
(c) इंदिरा गांधी
(d) मोरारजी देसाई

जवाब: (a) जवाहर लाल नेहरू

व्याख्या: संविधान में नौवीं अनुसूची प्रथम संविधान संशोधन अधिनियम, 1951 के द्वारा जोड़ी गई। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू उस समय देश के प्रधानमंत्री थे। इस अनुसूची के अंतर्गत राज्य द्वारा संपत्ति के अधिग्रहण की विधियों का उल्लेख किया गया है। इन अनुसूची में सम्मिलित विषयों को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है। वर्तमान में इस अनुसूची में 284 अधिनियम हैं। अब तक यह मान्यता थी कि नौवीं अनुसूची में सम्मिलित कानूनों की न्यायिक समीक्षा नहीं की जा सकती। 11 जनवरी, 2007 के संविधान पीठ के एक निर्णय द्वारा यह स्थापित किया गया कि नौवीं अनुसूची में सम्मिलित किसी भी कानून को इस आधार पर चुनौती दी जा सकती है कि वह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है तथा उच्चतम न्यायालय इन कानूनों की समीक्षा कर सकता है।

8. सार्वजनिक क्षेत्रक बैंकों के अध्यक्षों का चयन कौन करता है? (UPSC Exam 2019)

(a) बैंक बोर्ड ब्यूरो
(b) भारतीय रिजर्व बैंक
(c) केंद्रीय वित्त मंत्रलय
(d) संबंधित बैंक का प्रबंधन

जवाब: (a) बैंक बोर्ड ब्यूरो

व्याख्या: सार्वजनिक क्षेत्रक बैंकों के अध्यक्षों का चयन बैंक्स बोर्ड ब्यूरो (BBB) करता है। बैंक्स बोर्ड ब्यूरो भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है, जिसकी स्थापना वर्ष 2016 में सरकारी बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों में शीर्ष पदों पर उम्मीदवारों को तय करने के लिए की गई थी।

9. भारत के संविधान का कौन-सा अनुच्छेद अपनी पसंद के व्यक्ति से विवाह करने के किसी व्यक्ति के अधिकार को संरक्षण देता है? (UPSC Exam 2019)

(a) अनुच्छेद 19
(b) अनुच्छेद 21
(c) अनुच्छेद 25
(d) अनुच्छेद 29

जवाब: (a/b) अनुच्छेद 19 और 21

व्याख्या: देश में जब दो वयस्क एक दूसरे को जीवन साथी के रूप में चुनते हैं तो यह उनकी पसंद का एक अभिव्यक्ति है जिसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 के तहत मान्यता प्राप्त है। अनुच्छेद 21 के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य की सावधानी का अधिकार वैसा ही है, जैसे जीवन का अधिकार होता है। यह अनुच्छेद भारत के प्रत्येक नागरिक के जीवन जीने और उसकी निजी स्वतंत्रता को सुनिश्चित करता है, यदि कोई अन्य व्यक्ति या कोई संस्था किसी व्यक्ति के इस अधिकार का उल्लंघन करने का प्रयास करता है, तो पीड़ित व्यक्ति को सीधे उच्चतम न्यायलय तक जाने का अधिकार होता है। अन्य शब्दों में किसी भी प्रकार का क्रूर, अमाननीय उत्पीड़न या अपमान जनक व्यवहार चाहे वह किसी भी प्रकार की जाँच के दौरान पूछे जाने वाले प्रश्न से या किसी अन्य स्थान पर हो, तो यह इस अनुच्छेद 21 का अतिक्रमण करता है, जो कि भारतीय संविधान के अनुसार वर्जित है।

10. निम्नलिखित में से किस एक का यह सुझाव था कि राज्यपाल को उस राज्य के बाहर का एक प्रतिष्ठित व्यक्ति होना चाहिए और उसे एक ऐसा तटस्थ व्यक्ति होना चाहिए जिसके गहन राजनीतिक जुड़ाव न हों या उसने हाल के पिछले वर्षों में राजनीति में भाग नहीं लिया हो?(UPSC Exam 2019)

(a) पहला प्रशासनिक सुधार आयोग (1966)
(b) राजमन्नार समिति (1969)
(c) सरकारिया आयोग (1983)
(d) संविधान के कार्यचालन की समीक्षा हेतु राष्ट्रीय आयोग (2000)

जवाब: (c) सरकारिया आयोग (1983)

व्याख्या: सरकारिया आयोग ने राज्यपाल के संबंध में कई प्रकार की सिफारिशें की थीं। आयोग का राज्यपाल की नियुक्ति के संबंध में यह सुझाव था कि राज्यपाल को उस राज्य के बाहर का एक प्रतिष्ठित व्यक्ति होना चाहिए और उसे एक ऐसा तटस्थ व्यक्ति होना चाहिए जिसके गहन राजनीतिक जुड़ाव न हों या उसने हाल के पिछले वर्षों में राजनीति में भाग नहीं लिया हो। सरकारिया आयोग का गठन 9 जून 1983 को न्यायमूर्ति आर एस सरकारिया की अध्यक्षता में केंद्र और राज्य संबंधों की समीक्षा एवं सिफारिशों के लिए किया गया था।



साइबर लॉ में DOS का फुल फॉर्म क्या है
■ डिनाइल ऑफ सर्विस

कंप्यूटर के दिशा-निर्देशों को क्रियान्वित कौन करता है
■ ऐरिथमेटिक यूनिट व लॉजिक यूनिट

पैकमैन नामक प्रसिद्ध कंप्यूटर किस काम के लिए बना था
■ खेल

माइक्रोप्रोसेसर कंप्यूटर किस पीढ़ी से संबंधित है
■ चतुर्थ पीढ़ी

वह मेमोरी यूनिट जो सीपीयू से सीधा संपर्क करती है
■ ऑक्सीलियरी मेमोरी

एब्यूज मैसेजिंग सिस्टम का दुरुपयोग कहलाता है
■ स्पाम

किस सॉफ्टवेयर का प्रयोग वेब पेज को देखने के लिए किया जाता है
■ ब्राउजर

ई-मीटिंग सिस्टम है
■ टेली-कॉन्फ्रेसिंग

पेरिफेरल उपकरण का उदाहरण है
■ प्रिंटर

अच्छी क्वालिटी के ग्राफिक्स उत्पन्न करता है
■ प्लॉटर

लेसर प्रिंटर संबंधित है
■ पेज प्रिंटर से

ग्राफिकल यूजर इंटरफेस लोड होने एवं कंप्यूटर बूट होने के बाद पहला प्रोग्राम चलता है
■ ऑथेंटिफिकेशन

एम एस पावर प्वॉइंट में अधिकतम जूम प्रतिशत होता है
■ 400 प्रतिशत

रिजेनरेटिव एस्थेटिक

मेडिसिन में करियर

चिकित्सा के क्षेत्र में प्रगति एवं आईटी के आगमन से इस क्षेत्र में युवाओं के लिए अनेक अवसरों का मार्ग प्रशस्त हो गया है...



चिकित्सा के क्षेत्र में करियर बनाने वाले हर व्यक्ति का मुख्य लक्ष्य प्रतिष्ठित डॉक्टर बनना होता है। पूर्व में जब चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उंगलियों पर गिने जा सकने वाली विषेशज्ञताएं एवं शाखाएं हुआ करती थीं, चिकित्सा विज्ञान के छात्रों के समक्ष अपना करियर बनाने के लिए गिने-चुने विकल्प ही होते थे। हालांकि चिकित्सा के क्षेत्र में प्रगति होने तथा आईटी के आविर्भाव के कारण चिकित्सा विज्ञान के छात्रों के लिए अनेक भूमिकाओं एवं विषेशज्ञताओं का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इनमें से एक है रिजेनरेटिव एस्थेटिक मेडिसिन। कास्मोस्टेम इंस्टीट्यूट ऑफ रिजेनरेटिव एस्थेटिक मेडिसिन (सीआईआरएएम) के संस्थापक डा. प्रभु मिश्रा कहते हैं कि रिजेनरेटिव एस्थेटिक मेडिसिन करियर का आकर्षक अवसर पेश कर रहा है और यह चिकित्सकों के लिए सर्वाधिक आकर्षक एवं सर्वाधिक मांग वाले पाठ्यक्रम के रूप में उभर रहा है। सीआईआरएएम देश में पहला निजी स्टेम सेल प्रशिक्षण संस्थान है।

पिछले दशक में, ऐस्थेटिक मेडिसिन ने त्वचा चिकित्सा या चर्म रोग चिकित्सा विज्ञान से अलग दर्जा प्राप्त कर लिया है। यह न केवल चिकित्सकों और एस्थेटिक फिजिशियनों के लिए बल्कि गैर-चिकित्सा प्रशिक्षित कर्मियों के लिए भी करियर के अवसर प्रदान कर रहा है। एस्थेटिक मेडिसिन सौंदर्यशास्त्र की कार्यविधि के नए तौर तरीके के रूप में विकसित हुआ है। जिन छात्रों के पास एमबीबीएस जैसी या उससे ऊपर की डिग्री है या जिनके पास बीडीएस, बीएएमएस, एमटेक, पीएचडी, एम एससी जैसी डिग्री है वे इस पाठ्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं। पाठ्यक्रम मॉड्यूल में ऑर्थोबायोलॉजी, चेहरे एवं यौनांगों के लिए एस्थेटिक्स, पीआरपी थेरेपी, अस्थि मज्जा स्टेम सेल, एडीपोज स्टेम सेल और मेटाबोलिक दवा शामिल हैं।

इस प्रौद्योगिकी को न्यूरोलॉजिकल स्थितियों, आर्थोपेडिक्स, क्रोनिक किडनी रोग, सीओपीडी और फेफड़ों की बीमारियों, लिवर रोग, कार्डियोलॉजी, ऑटोम्यून्यून विकार, ओप्थाल्मॉलिक रोग और बांझपन जैसी स्थितियों के लिए कारगर उपचार विधि तथा प्रसाधन प्रक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। साथ ही इसे टाइप 1 मधुमेह मेलिटस, रूमेटोइड गठिया, पार्किंसंस रोग और विभिन्न प्रकार के कैंसर की स्थिति के संभावित उपचार के रूप में भी देखा जा रहा है।

रिजेनरेटिव मेडिसिन की तेजी से बढ़ती मांग

उद्योग रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में स्टेम सेल थेरेपी बाजार का मूल्य 2013 में एक बिलियन रूपये का था। हालांकि अभी यह नवजात अवस्था में, लेकिन स्टेम सेल बैंकों और स्टेम सेल संग्रहकर्ताओं की बढ़ती संख्या के चलते इसके बाजार के 2018 में 2 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि स्टेम सेल थेरेपी के विकास और लोकप्रियता में वृद्धि करने में कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, स्टेम सेल शोध के उदारीकरण और सरकारी सहायता के कारण इस क्षेत्र में त्वरित सफलता के लिए मजबूत प्रेरक बल उभर रहा है।

कर्नाटक की राजधानी बंगलुरू स्टेम कोशिकाओं से संबंधित कार्य के लिए प्रमुख केंद्र बन गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि भारत स्टेम सेल शोध में 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश कर रहा है। इसलिए, लोकप्रियता में वृद्धि के साथ, आज के समय में रिजेनरेटिव एस्थेटिक मेडिसिन में निर्देशित गुणवत्ता, कौशल और प्रशिक्षित मानव शक्ति की मांग बढ रही हैं।

आकर्षक करियर के रूप में रिजेनरेटिव मेडिसिन

हाल के दिनों में, नवीनतम क्षेत्र है और इसमें ट्रांसलेशनल फर्मास्यूटिकल की शाखाएं शामिल हैं। रिजेनरेटिव मेडिसिन के कई लाभ हैं और इन लाभों में एक लाभ स्ट्रोक, हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, प्रोग्रेसिव न्यूरोलॉजिकल स्थितियों, ऑटोम्यून्यून रोग, आघात और अन्य पुरानी बीमारियों का उपचार है।

उपरोक्त कारकों को ध्यान में रखते हुए, यह देखा जा सकता है कि एक करियर विकल्प के रूप में रिजेनरेटिव एस्थेटिक मेडिसिन विकसित हो रहा है जो कई अवसर प्रदान कर रहा है। चूंकि रिजेनरेटिव मेडिसिन को हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह और कई अन्य बीमारियों के इलाज की कारगर तकनीक के रूप में पहचाना गया है। वैसे में जो छात्र रिजेनरेटिव एस्थेटिक मेडिसिन में कोर्स कर रहे हैं वे कार्डियोलॉजी या न्यूरोलॉजी जैसे मुख्यधारा की विषेशज्ञताओं का चयन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, त्वचा विज्ञान में स्नातक करने वाले डॉक्टर और चिकित्सा छात्र रिजेनरेटिव मेडिसिन में ज्ञान और प्रशिक्षण के जरिये अपने डर्मेटो - सर्जिकल कौशल को बढ़ा सकते हैं। इनके अलावा, ये छात्र और इस क्षेत्र में प्रवेश को इच्छुक उम्मीदवार गुणवत्ता, आपूर्ति श्रृंखला और मानव संसाधन, वित्त और प्रशासनिक कार्यों में उच्च पुरस्कृत भूमिकाओं में करियर भी चुन सकते हैं।

NEW RELEASE

बेसिकफर्स्ट ने छात्रों के लिए भारत में लॉन्च किया

'डाउट क्लियरिंग ऐप'

कोरोनावायरस महामारी के बीच छात्रों को उनकी पढ़ाई में सहयोग प्रदान करने के लिए बेसिकफर्स्ट लर्निंग ओपीसी प्रा. लिमिटेड ने बेसिकफर्स्ट डाउट क्लियरिंग ऐप के नए वर्जन का लॉन्च किया है, जहां इन-ऐप चैट के जरिए समस्या के समाधान में औसतन 32 मिनट लगते हैं। इस पर अध्यापक सुबह 8 बजे से रात 11 बजे तक उपलब्ध रहते हैं, जो सुनिश्चित करते हैं कि छात्रों को किसी भी समय उनके हर सवाल का जवाब जल्द से जल्द मिले।

यह डाउट क्लियरिंग ऐप भारत का पहला प्लेटफॉर्म है जहां छात्र लाईव सैशन्स के माध्यम से इन-ऐप चैटिंग के जरिए अनुभवी अध्यापकों की मदद से अपने सवाल हल कर सकते हैं। बेसिकफर्स्ट सभी बोर्ड (सीबीएसई, आईसीएसई, आईजीसीएसई एवं अन्य राज्य बोर्ड जैसे महाराष्ट्र, कर्नाटक, झारखण्ड और बिहार) के छठी से बारहवीं कक्षा तक के छात्रों एवं सभी मुख्य प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे आईआईटी मेन, जेईई अडवान्स, एनईईटी, एम्स, एनटीएसई, ओलम्पियाड आदि के छात्रों को अपनी सुविधाएं प्रदान करता है।

बेसिकफर्स्ट डाउट क्लियरिंग ऐप किफ़ायती मासिक सब्सक्रिप्शन पर छात्रों की जरूरतों को पूरा करता है। बेसिकफर्स्ट अपने सभी पैकेजेज पर 14 दिनों का ट्रायल देता है, जिसके बाद छात्र सवाल की जटिलता के आधार पर मात्र 0.75 रु से 3 रु की लागत पर अपने सवाल हल कर सकते हैं।

ऐप के लॉन्च पर रणधीर कुमार, संस्थापक, सीईओ एवं चीफ़ मेंटर-बेसिकफर्स्ट लर्निंग ओपीसी प्रा. लिमिटेड ने कहा, ''कोरोनावायरस के चलते सभी शैक्षणिक संस्थान बंद हैं और परीक्षाएं भी रोक दी गई हैं। ऐसे में पूरी शिक्षा प्रणाली थम गई है, इन सब के बीच क्या आप छात्रों की स्थिति का अंदाजा लगा सकते हैं? हम छात्रों को ऐसा इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना चाहते हैं, जिसकी मदद से वे अपने अकादमिक लक्ष्यों की ओर बढ़ सकें तथा अपने सवालों को आसानी से हल कर सकें। हम हमेशा से छात्रों को प्राथमिकता देते आए हैं, इसलिए हम चाहते हैं कि लर्निंग की पूरी प्रक्रिया छात्रों के लिए सहज एवं तनावमुक्त हो जाए।''

बेसिकफर्स्ट ने 'रैफर एण्ड अर्न सिस्टम भी पेश किया है, जिसमें छात्र अपने दोस्तों को बेसिकफर्स्ट ऐप के लिए इन्वाईट कर रैफरल पॉइन्ट्स पा सकते हैं। ये पॉइन्ट विभिन्न विकल्पों के लिए रीडीम किए जा सकते हैं।

बेसिकफर्स्ट लर्निंग ओपीसी प्रा. लिमिटेड

बेसिक फर्स्ट लर्निंग ओपीसी प्रा. लिमिटेड एक एप्टीट्यूड आधारित पर्सनलाईज्रेंग पहल है, जो ऑनलाईन अडैप्टिव लर्निंग के लिए आर्टीफिशियल इंटेलीजेन्स, मशीन लर्निंग और डेटा साइन्स का उपयोग करती है। जनवरी 2017 में रणधीर कुमार द्वारा देश सुदूर इलाकों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से स्थापित बेसिकफर्स्ट छठी से 12वीं कक्षों के छात्रों की जरूरतों को पूरा करता है। बेसिकफर्स्ट के साथ देश के शीर्ष संस्थानों के अनुभवी अध्यापक एवं पेशेवर जुड़े हुए हैं, और सीबीएसई, आईसीएसई, महाराष्ट्र, कर्नाटक, झारखण्ड एवं बिहार बोर्ड सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे जेईई मेन, जेईई अडवान्स्ड, एनईईटी, एम्स, एनटीएसई और ओलम्पियाड के छात्रों की भी मदद करते हैं। बेसिकफर्स्ट प्लेटफॉर्म कई विकल्प पेश करता है जैसे डाउट क्लियरिंग प्लेटफॉर्म, कंटेंट लर्निंग ऑनलाईन टेस्ट और ऑनलाईन प्रेक्टिस आदि। अधिक जानकारी के लिए विजिट करें
https://www.basicfirst.com/

अमर उजाला उड़ान

PERSONALITY

2800 किमी साइकिल चलाकर खोजे

बीहड़ के क्रांतिवीर

आम जनमानस में चंबल के बीहड़ों की पहचान भले ही डाकुओं के लिए की जाती हो, लेकिन वास्तव में यह आजादी के मतवालों की धरती रही है, जहां भारतीय गौरव के कई जीवंत प्रतीक स्थापित भी हैं। लेखक व फ़िल्मकार शाह आलम ने चंबल के बीहड़ों की इसी पहचान को वापस दिलाने को अपना जीवन समर्पित कर दिया है। और उन्होंने बीहड़ में करीब 28 सौ किलोमीटर साइकिल यात्रा कर चंबल की असल पहचान का दस्तावेजीकरण किया है और क्रांतिकारियों के परिवारों को भी खोजा है। शाह ने न सिर्फ क्रांतिकारियों को खोजकर उनके अमर योगदान को लोगों तक पहुंचाया है, बल्कि क्रांतिवीरों के परिवारों की वर्तमान दशा को उजागर किया है।



शाह आलम
लेखक व फिल्मकार

बस्ती के एक छोटे से गांव में जन्मे शाह ने चंबल के बीहड़ों में कई बड़े सांस्कृतिक-साहित्यिक जलसों का आयोजन कर उसे मुख्यधारा से जोड़ने की अद्वितीय पहल की है। इस क्रम उन्होंने औरैया, इटावा और जालौन की सीमा पर स्थित पंचनद (सिंध, पहुज, क्वांरी, चंबल और युमना का संगम) पर आरती का भव्य आयोजन कराया व जनसंसद का आयोजन किया। इन आयोजनों ने देशभर के विद्वानों, साहित्यकारों व प्रकृतिप्रेमियों का ध्यान चंबल की ओर खींचा है। शाह ने 2006 में 'अवाम का सिनेमा' संस्था की शुरुआत की, जिसके तहत उन्होंने क्रांतिकारियों के जीवन को रील में कैद कर आम जन-मानस तक पहुंचाया और साथ ही कट्टरता के निरोध व साम्प्रदायिक सौहार्द का प्रचार करने वाली कई डाक्यूमेंट्री भी बनाई।

इस योजना को वृहत रूप देने के लिए शाह ने 'के.आसिफ चंबल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल' की शुरुआत कराई, जिसके 3 संस्करण आयोजित हो चुके हैं। साथ ही अवाम का सिनेमा 'अयोध्या फिल्म फेस्टिवल' का आयोजन भी 13 सालों से कर रहा है, जहां सामाजिक मुद्दों व पर्यावरण संकट पर फ़िल्में प्रदर्शित की जाती हैं।

शाह ने फोटोग्राफर सुनील जाना की स्मृति में 'सुनील जाना स्कूल आफ फोटोग्राफी' की शुरुआत कराई है। यह चलता-फिरता फोटोग्राफी स्कूल बीहड़ के जुनूनी बच्चों को देश के बेहतरीन फोटोग्राफरों से पढ़ने व सीखने का अवसर उपलब्ध कराता है। इसे शिविर के माध्यम से संचालित किया जाता है।

-डॉ. अरुण प्रकाश

कोविड-19

दुनिया भर में लॉकडाउन

यूरोप और अमेरिका सहित सभी देशों में तेजी से फैला रहा है वायरस



को रोना वायरस (Coronavirus) जिसका नामकरण विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने कोविड-19 रखा है। दिसंबर 2019 में चीन के वुहान शहर से आरंभ हुआ। यह कई प्रकार के विषाणुओं (वायरस) का एक समूह है जो स्तनधारियों और पक्षियों में रोग उत्पन्न करता है। यह आरएनए वायरस है। इसके कारण मानवों में श्वास तंत्र संक्रमण पैदा हो सकता है जिससे सर्दी-जुकाम, बुखार से लेकर सांस लेने में तकलीफ के बाद कुछ दिनों के भीतर ही मृत्यु तक हो जाती है। इस संक्रमण की रोकथाम के लिए अभी दुनिया भर में कोई टीका (वैक्सीन) या विषाणुरोधी (antiviral) नहीं बन पाया है। प्राणी की प्रतिरोधक क्षमता अगर मजबूत है, तो इसका असर कम होता है। साथ ही उपचार भी प्राणी की प्रतिरक्षा प्रणाली पर ही निर्भर करता है। अभी तक रोगलक्षणों (जैसे कि निर्जलीकरण या डीहाइड्रेशन, ज्वर, आदि) का उपचार किया जाता है ताकि संक्रमण से लड़ते हुए शरीर की शक्ति बनी रहे।

कोविड-19 से प्रभावित शीर्ष देश (20 अप्रैल, 2020 तक)

क्र.	देश	संक्रमित लोग	ठीक हुए लोग	कुल मृत्यु
1	यूएसए	770,564	70,799	41,114
2	स्पेन	200,210	80,587	20,852
3	इटली	178,972	47,055	23,660
4	फ्रांस	147,863	30,955	19,718
5	जर्मनी	145,743	83,438	4,642
22	भारत	17,656	2,842	559
कुल	**विश्व**	**2,416,135**	**632,983**	**165,939**

प्रोटीनयुक्त बिस्किट का निर्माण

काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर) एवं सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएफटीआरआई) ने कोविड-19 मरीजों के लिए प्रोटीन से भरपूर बिस्किट बनाए हैं। इन बिस्कुट को कोविड-19 रोगियों को एम्स में भेजा गया है। सीएफटीआरआई ने अब तक 500 किलोग्राम प्रोटीन युक्त बिस्कुट की आपूर्ति की है। इसके अलावा, एक और 500 किलोग्राम प्रोटीन युक्त रस्क की आपूर्ति की गई है। सामान्य बिस्कुट में 8% से 9% प्रोटीन होता है। हालांकि, इन समृद्ध बिस्कुट और रस्क में 14% प्रोटीन होता है। बिस्कुट कोविड-19 रोगियों की मदद करेगा जो बीमारी से रिकवर कर रहे हैं। शरीर को संक्रमण के खिलाफ लड़ने के लिए प्रोटीन आवश्यक है। यह तरल पदार्थ को संतुलित करता है और पूरे शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाता है। इस बिस्कुट को एफएसएसएआई मानकों का सख्ती से पालन करने के लिए तैयार किया गया है।

उच्च स्तरीय कार्यबल का गठन

भारत सरकार ने टीकों और दवाओं के परीक्षण के लिए एक उच्च-स्तरीय कार्यबल का गठन किया है। इस टास्क फोर्स में नीति आयोग, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) एवं इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के सदस्य शामिल हैं।

WEEKLYDAIRY



15 अप्रैल

भारत सरकार ने किसानों को अपनी कृषि उपज को मंडियों तक पहुंचाने में मदद करने के लिए "कृषि रथ" एप्लीकेशन लांच की है। इसमे किसान को परिवहन हेतु कृषि उत्पादों की मात्रा को पोस्ट करना होगा। पोस्ट करने के बाद, उसे लोड के लिए ट्रक और मूल्य बोली की उपलब्धता मिलेगी।



16 अप्रैल

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.815 बिलियन डॉलर की वृद्धि के साथ 476.475 अरब डॉलर तक पहुँच गया है। विश्व में सर्वाधिक विदेशी मुद्रा भंडार वाले देशों की सूची में भारत 8वें स्थान पर है, इस सूची में चीन पहले स्थान पर है।

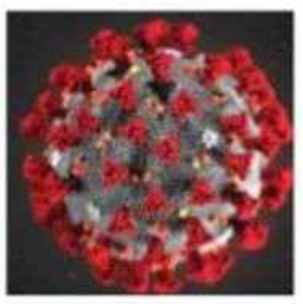

17 अप्रैल

भारत सरकार द्वारा घोषणा की गई है कि लॉकडाउन के बाद COVID-19 मामलों की वृद्धि दर में 40% की कमी हुई है। केंद्र सरकार के अनुसार, लॉकडाउन से पहले मामलों की संख्या 3 दिनों में दोगुनी हो जाती थी। अब मामलों की संख्या दोगुनी होने में 6.2 दिन लगते हैं।

खेल

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने इंडियन प्रीमियर लीग, 2020 को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया है। भारत में लॉक डाउन को 3 मई, 2020 तक बढ़ाने के बाद यह निर्णय लिया गया है।

■ फीफा 2020 अंडर-17 महिला विश्व कप का आयोजन भारत में किया जायेगा, हाल ही में फीफा ने इस प्रतियोगिता को नवम्बर, 2020 तक के लिए स्थगित किया है। इससे पहले भारत ने 2017 अंडर-17 फुटबॉल विश्व कप का सफल आयोजन किया था।

■ ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया ने घोषणा की कि तीसरे एशियाई युवा खेलों का आयोजन नवंबर, 2021 में चीन में किया जाएगा। इसमें रॉक क्लाइंबिंग, एथलेटिक्स, जिम्नास्टिक, एक्वेटिक्स, बोट रेसिंग जैसे लगभग 18 ओलंपिक खेलों को शामिल किया जायेगा।

■ शतरंज के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को वर्ल्ड वाइड फंड इंडिया का एम्बेसडर नियुक्त किया गया। वे पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के लिए संगठन में शामिल हुए हैं।



नियुक्ति

पधानमंत्री की अध्यक्षता में नियुक्ति समिति ने आईएएस अधिकारी कपिल देव त्रिपाठी को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का सचिव नियुक्त किया है। वे असम मेघालय कैडर के अंतर्गत 1980 बैच के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं।

निधन

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पिता आनंद सिंह बिष्ट का 20 अप्रैल को निधन हो गया। 89 साल के आनंद सिंह बिष्ट का दिल्ली के एम्स में इलाज चल रहा था। उनको किडनी और लिवर की समस्या थी।

■ बीएमडब्ल्यू इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रुद्रतेज सिंह का 20 अप्रैल को दिल का दौरा पड़ने के बाद निधन हो गया। जर्मनी की कंपनी बीएमडब्ल्यू ने रुद्रतेज सिंह को एक अगस्त 2019 को भारत में अपने काम की कमान सौंपी थी।

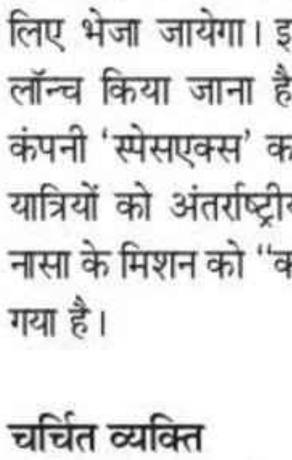

विज्ञान

नासा ने घोषणा की कि वह 27 मई, 2020 को अंतरिक्ष यात्रियो की उड़ान को लांच करेगा। इस मिशन में फाल्कन -9 रॉकेट का उपयोग किया जाएगा। इस मिशन के द्वारा अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर विस्तारित प्रवास के लिए भेजा जायेगा। इस मिशन को स्पेसएक्स द्वारा लॉन्च किया जाना है। यह एलोन मस्क की स्पेस कंपनी 'स्पेसएक्स' का पहला क्रू लॉन्च है। अंतरिक्ष यात्रियों को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजने वाले नासा के मिशन को "कमर्शियल क्रू प्रोग्राम" नाम दिया गया है।

चर्चित व्यक्ति



भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया ने कोविड- 19 महामारी में अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की मदद करने वाले 'हीरोज' की प्रशंसा की है। यह मुहिम फुटबॉल की अंतरराष्ट्रीय संस्था फीफा ने शुरू की है, जिसमें फुटबॉल के महान खिलाड़ी पेले और माराडोना के साथ भूटिया को भी शामिल किया गया है। भूटिया फीफा द्वारा शुरू की गई मुहिम हैशटैग वीविलविन में 50 पूर्व और मौजूदा खिलाड़ियों में शामिल हैं। इस मुहिम का मकसद कोविड-19 से लड़ रहे स्वास्थकर्मियों के प्रयासों को सराहना है।

ज्ञान की कमान

वैश्विक रेटिंग एजेंसी स्टैंडर्ड एंड पूअर्स के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 में भारत की विकास दर कितनी रहेगी?
■ 1.8 %

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने किस वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग सॉफ्टवेयर को साइबर अपराधों के लिए संवेदनशील माना है?
■ जूम

विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT) ने किस दवा से बने योगों के निर्यात पर प्रतिबंध हटा दिया है?
■ पेरासिटामोल

हाल ही में सुर्ख़ियों में रहा शब्द 'रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन' एक प्रक्रिया है जिसका उपयोग किस उद्देश्य के लिए किया जाता है?
■ कोरोनावायरस का परीक्षण

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास व पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) ने सामुदायिक नेताओं को प्रशिक्षित करने के लिए किस वैश्विक संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय के साथ सहयोग किया है?
■ यूनिसेफ

गार्टनर 2019 डिजिटल वर्कप्लेस सर्वे के अनुसार विश्व का सबसे डिजिटल रूप से कुशल देश कौन सा है, जिसमें सबसे बड़ा और कुशल जेन जेड कार्यबल है?
■ भारत

WEEKLYDAIRY

18 अप्रैल

दुपहिया कंपनी टीवीएस ने यूनाइटेड किंगडम की 122 वर्ष पुरानी मोटरसाइकिल कंपनी 'नॉर्टन' का अधिग्रहण 16 मिलियन पौंड में किया है। नॉर्टन मोटरसाइकिल कंपनी की स्थापना जेम्स लैंसडाउन नॉर्टन ने बिर्मिंघम में 1898 में की थी।



19 अप्रैल

'सरकार ने कहा है कि गैर-आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति लॉक डाउन के दौरान निषिद्ध रहेगी। यह आदेश ऐसे समय में आया है जब ई-कॉमर्स कंपनियां उन क्षेत्रों में रेफ्रिजरेटर और मोबाइल फोन जैसे उत्पादों को वितरित करने के लिए तैयार है जो कोविड हॉटस्पॉट में नहीं आते हैं।



20 अप्रैल

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा छह अंतर-मंत्रालय टीमों का गठन किया गया। दरअसल हाल ही में मध्य प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में लॉक डाउन के उल्लंघन की घटनाएं सामने आई हैं। यह गठित टीमें राज्य में चिकित्सा पेशेवरों पर हमले, सामाजिक दूरी, लॉक डाउन उल्लंघन की रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपेगी।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली-0504

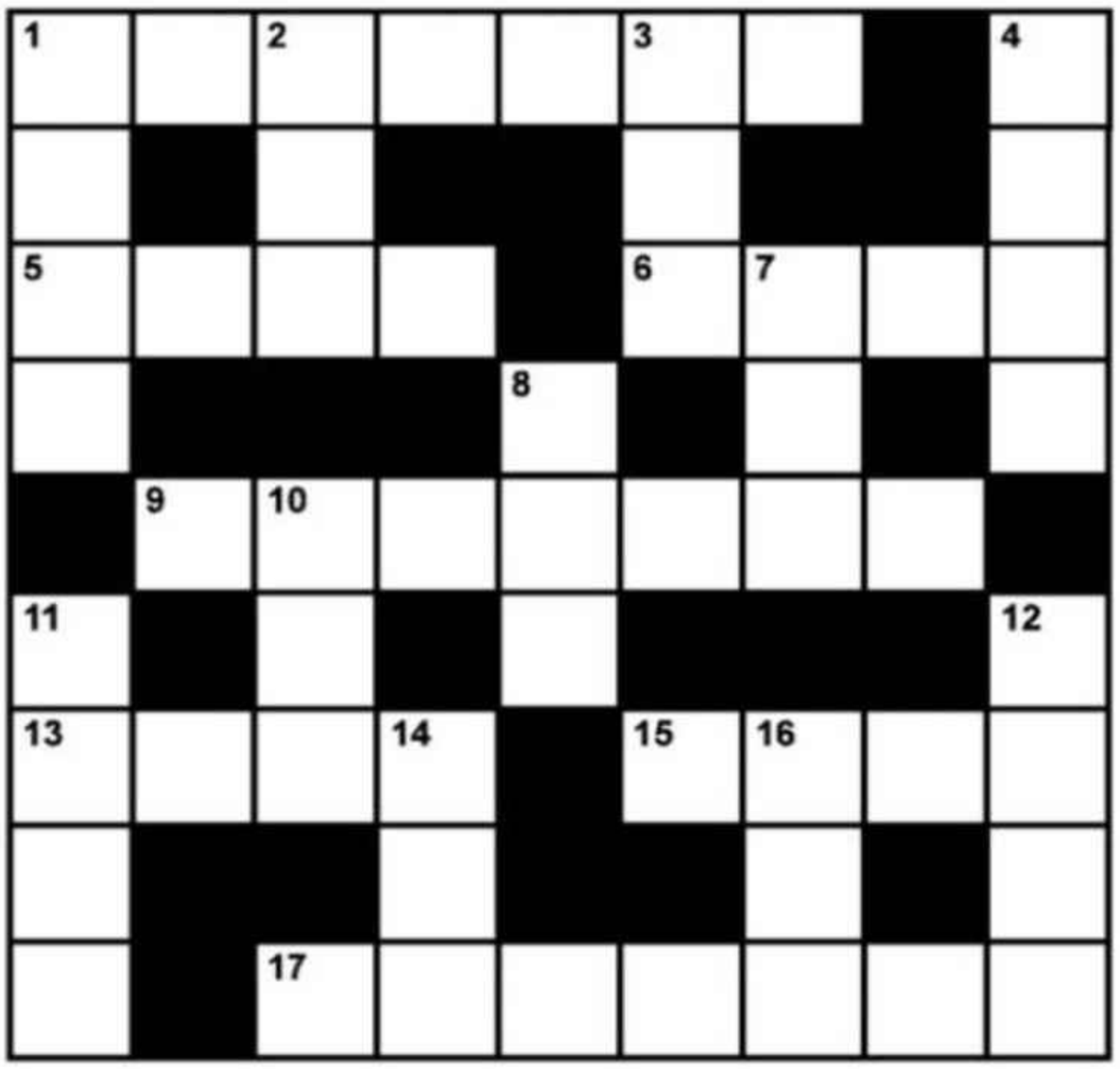

बाएं से दाएं: 7/37

1. 22 मार्च 1894 को चटगांव में जन्मे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इस शहीद क्रांतिकारी को 12 जनवरी 1934 को फांसी दी गई; 'मास्टर दा' के नाम से प्रसिद्ध एक क्रांतिकारी; 2012 में आई थी इस वीर क्रांतिकारी के जीवन पर आधारित फिल्म 'चटगांव' (3,4)
5. गायिका लता, आशा और उषा मंगेशकर के पिता के नाम का प्रथम भाग; ईश्वर; दीनों के नाथ; दीनदयालु; परमेश्वर (4)
6. कर वसूली का तंत्र या प्रणाली (4)
9. ओड़िसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के राजनीतिज्ञ पिता (2,5)
13. छोटी कथा; कथासार; कहानी का मुख्य भाग (4)
15. ओले का गिरना; पाले का पड़ना; बर्फ गिरना (4)
17. 2013 में हीरो कंपनी द्वारा प्रायोजित लीग जिसके पहले सत्र में स्वर्गीय अरुण जेटली भी सलाहकार बोर्ड में शामिल हुए थे; भारत में खेली जाने वाली चोटी की हाकी प्रतियोगिता (2,3,2)

ऊपर से नीचे: 11/37

1. हिंद महासागर में स्थित एक द्वीपीय देश जिसकी राजधानी 'माले' है (4)
2. नागदौनी नामक औषध; स्वाद; जीभ; लगाम (3)
3. कार्तिकेय; एक रुद्र का नाम; सिपहसालार; सेनाध्यक्ष; सेनापति (3)
4. उत्तर प्रदेश की राजधानी (4)
7. पूरे देश का; राष्ट्र का (3)
8. मापने वाला उपकरण; मीट्रिक प्रणाली में लंबाई की इकाई जिसे फ्रांसीसी विज्ञान अकादमी ने परिभाषित किया (3)
10. उच्छिष्ट भोजन; जूठा खाना; जूठे छोड़े गए खाद्य पदार्थ (3)
11. अग्नि मणि; अश्म; पत्थर जिसे रगड़ने से आग निकाली जाती थी (4)
12. जैनियों के प्रधान देवता का एक नाम; बुद्ध का एक नाम; वह जो निस्पृह हो गया हो; इच्छारहित; बिना रंग का; रागरहित (4)
14. कमी; अभावग्रस्तता; दरिद्रता; गरीबी (3)
16. 1963 में सिंगापुर और बोर्नियो के साथ मिल कर मलेशिया बनाने वाला मुख्य घटक देश (3)

-हरीश चन्द्र सन्सी
- प्रस्तुति: विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0503

1 पृ	थ्वी	2 रा	ज	3 चौ	हा	4 न	■	5 त
■	■	म	■	की	■	6 म	ह	ल
7 गु	म	ना	म	■	■	स्का	■	त
रु	■	म	■	8 ब	9 स्त	र	■	म
10 अ	र्थ	■	11 गो	■	र	■	12 ले	ह
म	■	13 मे	घा	ड़	■	14 प	■	मू
र	■	ष	■	■	15 ब	र	ग	द
16 दा	य	रा	■	17 स	■	का	■	■
स	■	18 शि	व	पा	ल	या	द	व

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

ENGLISH GYAN



Towards Better ENGLISH 32

'Efficient' and 'Effective'-

If somebody / something is efficient, they work in a well-organised way without wasting energy or time.

- He's not very efficient; he keeps files at the wrong place and works very slowly.
- The state transport is even less efficient than the railways.

If something is effective, it has the right effect: it solves a problem or gets a result.

- My headache is much better now. Those medicines are really effective.
- I admire the effective use of colour in her paintings.

Word /phrase of the week:

Pandemic- a disease that spreads over a whole country or the whole world

- The coronavirus pandemic has led to severe global socioeconomic disruption.
- This disease has been recognized as a pandemic by the WHO.

Interesting Fact:

Most languages featured on a CD single: *"Hasta Mañana"* ('See You Tomorrow'), an original song written, recorded and released by Maka Patsuria (Israel, b. Georgia), is performed in 10 languages: Arabic, English, French, Georgian, German, Hebrew, Italian, Japanese, Russian and Spanish. Patsuria's five-year-old daughter, Nino Chumburidze, also features in the three-minute song, which has been released as a CD single in Israel in 2014. *(Guinness World Records)*

डॉ. विनोद कुमार मंगवानी
सह-प्राध्यापक (अंग्रेजी), मर्चेंट नेवी संस्थान, पुणे

ADMISSION ALERT

Editworks School of Mass Communication

Course
1. BSC Electronic Media (Duration: 3 years)
2. PG Diploma in Tv Journalism (Duration: 1 year)
3. MMC Advertising Journalism (Duration: 2 years)
4. Video editing (Duration: 6 Months)
5. Sound Recording & Engring (Duration: 6 Months)
6. News Reading & Anchoring (Duration: 3 Months)
7. Voice Over & Dubbing Training(Duration: 3 Months)

Eligibility of Courses No. 1 is 10+2 and for rest of the courses it is Graduation.
How to Apply: Prospectus and application form can be obtained by sending a Cash/ DD of Rs.500/- in favour of the institute, payable at Delhi. Application form can be downloaded from the website also.
Address: Editworks School of Mass Communications C-56/12, Sector- 62, Noida (Delhi NCR)
Website: www.editworks.co.in
E-mail: info@editworksindia.com
Phone No. 9953007601,7503622001

TGC Animation & Multimedia, Delhi

Course:
1. Advanced Diploma Multimedia & Animation (Duration: 2 Years),
2. Diploma in Multimedia (1 Year)
3. Diploma in Web Design, Development & Internet Mkt. (1 Year)
4. Adv. Diploma in Graphic Design, Visualization & Photography (1 Year)
5. Adv. Diploma in Video Editing (1 Year)
6. Adv. Diploma in Photography (1 Year)
7. Adv. Diploma in Music Production and Sound Engineering (1 Year)
8. Adv. Diploma in Python and Data Sciences (6 months)

Eligibility of Courses: 10+2 in any stream
How to Apply: Prospectus and Application can be obtained on payment of Rs.100 in cash or DDdrawn in favour of the institute, payble at Delhi. Application form can also be downloaded from the website
Website: www.tgcindia.com
Address:TGC Animation & Multimedia, H-85A, South Extension, Part-I, New Delhi-110049,
Ph: 9990432666, 18001020418

Hippocrates Institute of Paramedical Science and Research

Course:
1. B.Sc. in Operation theatre (Eligibility: 10+2 Pass).
2. B.Sc. in Xray and Radiology (Eligibility: 10+2 Pass).
3. B.Sc. in Cardiac Technician (Eligibility: 10+2 Pass).
4. B.Sc. in Lab Technician (Eligibility: 10+2 Pass).
5. B.Sc. in Biotechnology (Eligibility: 10+2 Pass).
6. B.Sc. Nursing (10+2 Pass).
7. M.Sc. Biotechnology 2 year course (Eligibility: Graduation)
8. Diploma in Operation Technician (Eligibility: 10th Pass).
9. Diploma in Xray & Radiology (Eligibility: 10th Pass).
10. Diploma in Cardiac Technician (Eligibility: 10th Pass).
11. Diploma in Lab Technician (Eligibility: 10th Pass).
12. GNM & ANM

How to Apply : Prospectus and Application form can be obtained on payment of Rs. 500 in cash or via a DD drawn in favour of the institute, payable at Noida. Application form can be downloaded from website.
Address: Hippocrates Institute of Paramedical Science and Research C-108, Secto-2, Noida.
website.hipsr.in Email: support@hipsr.in
Ph. 0120-4123456, 7838117780, 7835812462

Centre for Fire Safety Management & Training

Affiliated to Board of Technical Education, Delhi (Govt. of NCT of Delhi)
Course:
(I) Six Months Certificate Course in Fire Fighting (Eligibility:10th Pass).
(II) One Year Certificate Course in Fire Technology & Industrial Safety Management (10 +2 Passed).
(III) Trade Diploma in Environment &Health Safety (10 Passed).
How to Apply: Prospectus and Application form can be Obtained on Payment of Rs. 300 in cash or via DD drawn in favour of the institute payable at Delhi application form can also be download from website.
Address: Centre for Fire Safety Management & Training
Khazra No. 298, NH10, Plot No. 975, Metro Pillar No. 506 & 507, Mundka, Delhi - 110041
Website: www.cfsmt.org
Ph. 9560952952

INTERNSHIP ALERT

कुकिंग इंटर्नशिप
कंपनी- द गूसबम्प्स
कहां- लखनऊ
वेतन- 12,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1870
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020

ग्राफिक डिजाइन इंटर्नशिप
कंपनी- मयंक एनालिटिक्स
कहां- लखनऊ
वेतन- 2,000-5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1871
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020

एंकरिंग इंटर्नशिप
कंपनी- काम इंडिया प्रोडक्शन
कहां- लखनऊ
वेतन- 2,000-5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1872
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020

कंटेंट राइटिंग इंटर्नशिप
कंपनी- एडॉक्स
कहां- लखनऊ
वेतन- 7,000-12,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1873
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020

वेब डेवलपमेंट इंटर्नशिप
कंपनी- न्यूजन
कहां- लखनऊ
वेतन- 5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1874
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020

मोबाइल आप डेवलपमेंट इंटर्नशिप
कंपनी- न्यूजन
कहां- लखनऊ
वेतन- 5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1875
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020

पाइथन डेवलपमेंट इंटर्नशिप
कंपनी- एडुगोरिल्ला
कहां- लखनऊ
वेतन- 10,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1876
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020

बिजनेस डेवलपमेंट (सेल्स) इंटर्नशिप
कंपनी- माइलस्टोन पीजेंट्स
कहां- लखनऊ
वेतन- 7,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1877
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020



ADMISSION ALERT

दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट

कोर्स: डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी

कोर्स की अवधि: डिप्लोमा (1 वर्ष), सर्टिफिकेट (6 माह)

शैक्षणिक योग्यता: डिप्लोमा (12वीं उत्तीर्ण), सर्टिफिकेट (10वीं उत्तीर्ण)

आवेदन प्रक्रिया: वेबसाइट 'www.dpmiindia.com' से आवेदन पत्र डाउनलोड कर उसे भरें एवं 500 रूपए का डिमांड ड्राफ्ट सलंग्न कर निर्धारित पते पर भेज दे। अथवा संस्था से 500 रूपए की राशी का भुगतान कर प्रॉस्पेक्टस एवं आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

पता: बी-20, न्यू अशोक नगर, दिल्ली, 110096

टेलीफोन नंबर: +91 - 9540777001/2

आवेदन की अंतिम तिथि: 30 अप्रैल, 2020

लक्ष्य भारती इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनेशनल होटल मैनेजमेंट

कोर्स: बीएससी और एमएससी इन होटल मैनेजमेंट

कोर्स की अवधि: 3 वर्ष **शैक्षणिक योग्यता:** 12 वीं, ग्रेजुएशन

आवेदन प्रक्रिया: वेबसाइट 'www.lbiihm.com' से आवेदन पत्र डाउनलोड कर उसे भरें एवं 500 रूपए का डिमांड ड्राफ्ट सलंग्न कर निर्धारित पते पर भेज दे। अथवा संस्था से 500 रूपए की राशी का भुगतान कर प्रॉस्पेक्टस एवं आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

पता: बी -98, आउटर रिंग रोड, पुष्पांजलि एन्क्लेव, पीतमपुरा, नई दिल्ली, 110034, **टेलीफोन नंबर:** +91 - 9560895483

अवेदन की अंतिम तिथि: 28 अप्रैल, 2020

अधिक जानकारी के लिए: www.lbiihm.com

नारायण मूर्ति परिवार ने कोविड-19 राहत में दिए10 करोड़ रुपये

इससे अक्षय पात्र को लॉकडाउन से प्रभावित कमजोर लोगों को 55 लाख मील्स मुहैया कराने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली: श्रीमती सुधा मूर्ति और श्री नारायण मूर्ति तथा उनका परिवार अक्षय पात्र फाउंडेशन के कोविड-19 राहत कार्य के लिए अपने व्यक्तिगत फंड से 10 करोड़ रुपये देने के लिए आगे आए हैं। अक्षय पात्र उन प्रवासी श्रमिकों और दिहाड़ी मजदूरों को पका भोजन और खाद्य सामग्री किट मुहैया करा रहा है जो अपनी आजीविका गंवा चुके हैं और कोविड-19 महामारी के प्रभाव और उसके बाद देशव्यापी लॉकडाउन की वजह से समस्याओं का सामना कर रहे हैं। यह वित्तीय योगदान अक्षय पात्र को 1.33 लाख फूड रिलीफ किट के वितरण में सक्षम बनाएगा जिसमें 55,86,000 मील्स शामिल होंगे। ये खाद्य सामग्री किट बेंगलूरु, दिल्ली, पुणे, मथुरा, और हैदराबाद जैसे विभिन्न शहरों में वितरित किए जाएंगे। इन किट में शामिल सामग्री स्थानीय स्वाद एवं जरूरत पर आधारित होगी। खाद्य राहत पहल में नारायण मूर्ति परिवार के समर्थन पर आभार प्रकट करते हुए अक्षय पात्र के चेयरमैन मधु पंडित दासा ने कहा, 'हम नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति की भावनाओं को समझते हैं।



SCHOLARSHIP ALERT

कीप इंडिया स्माइलिंग फॉउण्डेशनल स्कालरशिप प्रोग्राम

विवरण: कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड युवा छात्रों को उनकी शिक्षा के लिए स्कॉलरशिप प्रदान करके उनके शैक्षणिक / प्रगति की आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान कर रहा है। यह स्कॉलरशिप प्रोग्राम विभिन्न पोस्ट-मैट्रिक और स्नातक स्तर पर अध्ययन करने वाले छात्रों को उनकी शिक्षा जारी रखने एवं उनकी पसंद के करियर की ओर आगे बढ़ने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

मानदंड: ऐसे छात्र जिन्होंने 2019 की बोर्ड परीक्षा में कम से कम 75% अंकों के साथ 10 वीं कक्षा या कम से कम 60% अंकों के साथ कक्षा 12वीं उत्तीर्ण कर लिया है। और उच्चतर माध्यमिक, 3-वर्षीय स्नातक, 4-वर्षीय इंजीनियरिंग, डिप्लोमा प्रोग्राम और क्रमसः एक वर्षीय व्यवसायक कोर्स की पढाई को आगे बढ़ाने के लिए छात्रवृत्ति प्रोग्राम के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। सभी आवेदकों की वार्षिक पारिवारिक आय आई एन आर (INR) 5 लाख प्रति वर्ष से कम होनी चाहिए।

इनाम/लाभ: चयनित विद्वान अपनी शिक्षा के वर्तमान स्तर के आधार पर 3 साल तक की पढ़ाई के लिए प्रति वर्ष आई एन आर (INR) 30,000 तक के छात्रवृत्ति पुरस्कार का लाभ उठा सकते हैं।

अंतिम तिथि: 30 अप्रैल 2020

आवेदन कैसे करें: ऑनलाइन आवेदन करें।

आवेदन लिंक: www.b4s.in/au/KISSP01

सरदार पटेल स्कॉलरशिप फॉर स्टूडेंट्स पर्सूइंग ग्रेजुएशन 2020

विवरण: बडी4स्टडी इंडिया फॉउंडेशन स्नातक के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में अध्ययन कर रहे छात्रों के लिए छात्रवृति आवेदन आमंत्रित करता है। यह स्कॉलरशिप प्रोग्राम योग्य किन्तु उच्च शिक्षा से वंचित छात्रों को समर्थन देने के उद्देश्य से बनाया गया है।

मानदंड: किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से तीन वर्षीय स्नातक प्रोग्राम (किसी भी शाखा में) के प्रथम / द्वितीय वर्ष में अध्ययन कर रहे छात्रों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन खुले हैं। किन्तु आवेदक की पारिवारिक वार्षिक आय आईएनआर (INR) 6 लाख प्रति वर्ष से कम होनी चाहिए।

इनाम/लाभ: चयनित छात्रों को INR 15,000 की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

अंतिम तिथि: 31-05-2020

आवेदन कैसे करें: ऑनलाइन आवेदन करें

आवेदन लिंक: www.b4s.in/au/SPS1